# सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

**९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२**

**सत्र: २०२२-२०२३**

| कक्षा:-पाँचवीं | विषय:हिंदी पाठ्य-पुस्तक | पाठ:२ ईदगाह |
|---|---|---|

**कठिन शब्द**

**१-मनोहर**

**२-प्रभात**

**३-बधाइयाँ**

**४-कुबेर**

**५-अनगिनत**

**६-अभागिन**

**७-बिसात**

**८-त्योहार**

**९-इंतजार**

**१०-कॉलेज**

**११-मिठाइयाँ**

**१२-पंक्तियाँ**

**१३-भ्रातृत्व**

**१४-रेवड़ियाँ**

**१५-घुड़कियाँ**

**१६-भिश्ती**

**१७- सुरलोक**

**१८-गौरवमय**

**१९-सिंहासन**

**२०-सद्‌भाव**

**२१-दामन**

**२२-उंगलियाँ**

## प्रश्नोत्तर

**प्र०१-अमीना हामिद को ईदगाह क्यों नहीं भेजना चाहती थी?**

**उ०-सभी बच्चे ईदगाह अपने पिता के साथ जा रहे थे परंतु हामिद के माता - पिता की मृत्यु हो चुकी थी इसलिए अमीना उसे अकेले भेजने में डर रही थी।**

**प्र०२-चिमटे को देखकर हामिद को क्या खयाल आया?**

**उ०-चिमटे को देखकर हामिद को यह ख्याल आया कि दादी के पास चिमटा नहीं है तवे से रोटियाँ उतारते समय उनकी उंगलियाँ जल जाती हैं, जब वह चिमटा दादी को देगा तो वह खुश हो जाएँगी।**

**प्र०३-"तीन पैसे लोगे"? ऐसा कहकर हामिद आगे क्यों बढ़ गया?**

**उ०-ऐसा कहकर हामिद आगे इसलिए बढ़ गया था कि अगर दुकानदार उसे भला-बुरा कहे तो वह बातें उसे सुनाई न दें।**

**प्र०४-हामिद के हाथ में चिमटा देखकर अमीना ने क्या कहा?**

**उ०-हामिद के हाथ में चिमटा देखकर अमीना ने कहा कि पूरे मेले में तुझे और कोई चीज़ नहीं मिली जो यह लोहे का चिमटा उठा** लाया।

## रिक्त स्थान

१-बच्चों की अपनी जेबों में तो कुबेर का धन भरा हुआ था।

२-भ्रातृत्व का एक सूत्र इन समस्त आत्माओं को एक लड़ी में पिरोए हुए है।

३-लोहे की चीजों की दुकान पर लड़कों के लिए कोई आकर्षण नहीं था।

४-बच्चे में कितना त्याग और विवेक है।

५-मियाँ नूरे के वकील का अंत इससे ज्यादा गौरवमय हुआ।

६-अमीना का क्रोध तुरंत स्नेह में बदल गया।

## वाक्य प्रयोग

**१-सहसा-(अचानक)**

**सहसा आसमान से ओलावृष्टि होने लगी।**

**२-मशक-(चमड़े का थैला जिसमें पानी भरा जाता है)**

**रेगिस्तान में आज भी मशक का प्रयोग पानी के लिए किया जाता है।**

**३-सद्भाव-(अच्छे भाव)**

**सर्व धर्म में सद्भाव होना चाहिए।**

**४-दामन-(आँचल)**

**माँ ने दामन फैलाकर मेरे लिए ढेर सारी दुआएँ माँगीं ।**

**५-माटी-(मिट्टी)**

**मेरे देश की माटी वंदनीय है।**